वार्षिक प्रतिवेदन

(2007-2008)

सामाजिक शैक्षणिक विकास केन्द्र

(SSVK)

जे0पी0 ग्राम- बलभद्रपुर झंझारपुर (R.S) जिला-मधुबनी 847403 (बिहार)

पटना कार्यालय:- लोक शक्ति भवन

अजय निलायन अपार्टमेन्ट के सामने, नागेश्वर कालोनी, बोरिंग रोड, पटना-800001

Phone/Fax:0612-2522077 Mob.:9431025801, 9973161483

Web.site: www.ssvk.org e-mail: ssvkindia@gmail.com

⇨कल्पना:-समता मूलक समाज निर्माण जिसमें दलित महिला पुरुष सामाजिक शैक्षणिक आर्थिक राजनैतिक रुपय हो एक समान हो।

⇨लक्ष्य:-समाज के दलित शोषित महिला पुरुषों को नेतृत्व क्षमता हो ताकि आत्म विश्वास के साथ जीवन का निर्णय ले सकें।

⇨उदेश्य:-इन परिकल्पनाओं का यथार्थ रुप देने के लिए एस0एस0भी0 के संस्था निम्न उदेश्य 2007-2008 में रखा है।

- दलित बच्चों को शिक्षा से जोड़ना
- लोगों को बचत की आदत डालकर बचत करवाना
- दलित महिला पुरुष एवं अति पिछड़ों को अधिकार प्राप्ति के योग्य बनवाना।
- नये-नये सरकारी स्कीमों के लिए जानकार बनाना।
- महिलाओं को SHG से जोड़कर आय बढ़ाना एवं रोजगार से जोड़ना।
- सूचना के अधिकार के कानून के प्रति लोगों को जानकार बनाना।
- समुदाय के अधिकार के कानून के प्रति लोगों जो जानकार बनाना।
- समुदाय को अपने हक और अधिकार के प्रति आन्दोलित करना।
- समुदाय को जमीन और तालाब पर दखल वास्ते संगठित कर योग्य बनाना।
- आपदा के पूर्व तैयारी आपदा से जुझने हेतु सशक्त करना।

इन उदेश्यों को प्राप्ति हेतु एस०एस०भी०के० संस्था के निम्नलिखित कार्यबिन्दु है:-

1. मुदा आधारित अघ्ययन विश्लेशन
2. सर्वेक्षण
3. मुदों का प्राथमिकीकरण
4. मुदों पर आम सहमति
5. योजना निर्माण
6. क्रियान्वयन
7. देखरेख
8. आन्तरिक मूल्यांकण
9. विचार विमर्श
10. मूल्यांकण

⇨एस0एस0भी0 के0 संस्था के 2007-2008 के मुख्य गतिविधि

- ❖ ग्राम कोष से वृद्धि उपयोग एवं रोजगारनोमुखी बनाना
- ❖ SHG का निर्माण एवं सही उपयोग
- ❖ जच्चा बच्चा के सही देख-भाल
- ❖ सूचना के अधिकार
- ❖ शिक्षा
- ❖ जमीन तालाब पर दखल
- ❖ सरकारी स्कीमों तक समुदाय की पहुँच
- ❖ पंचायती राज के ग्राम सभा आम सभा में लोगों की भागीदारी
- ❖ राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना से लोगों का लाभ
- ❖ NGO नेट वर्किंग
- ❖ पर्यावरण

⇨एस०एस०भी०के० संस्था के कार्य प्रणाली

- ❖ समुदायिक स्तर पर महिलाओं की सामूहिक बैठक
- ❖ नेतृत्व कर्ता प्रशिक्षण
- ❖ कानूनी सहायता प्रशिक्षण
- ❖ जमीन तालाब प्रशिक्षण
- ❖ पंचायत प्रतिनिधियों के समुदाय के बैठक में भागीदारी
- ❖ पर्चा, पोस्टर, दिवाल लेखन, बुकलेट का प्रकाशन पद यात्रा एवं नुक्कड़ नाटक

⇨एस०एस०भी०के० संस्था सुनियोजित एवं सहभागी तरिके से विभिन्न कार्यक्रमों को अपने उदेश्यों को प्राप्ति के लिए पहल की है।

⇨वर्ष 2007-2008 में क्रियान्वित कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण

क्र.स.	कार्यक्रम का नाम	लाभार्थी प्रतिभागी	लक्ष्य क्षेत्र	सहयोग	मार्गदर्शन
1	बाढ पूर्व तैयारी NGO नेटवर्किंग		बाढ़ प्रभावित क्षेत्र	दलित वाच SRC	
2	SHG.कार्यशाला	लखनौर मधेपुर प्रखंड के महिला	लखनौर, मधेपुर	SSVK	

3	राहत वितरण कार्यक्रम	बाढ़ प्रभावित लोग	लखनौर, किरतपुर, झंझारपुर, घनश्यामपुर प्रखंड	SRC लाईफ हेल्प चेन्नई AIDMI	
4	गॉव में डाक्टरों की कैम्प लगाकर इलाज	बाढ़ प्रभावित बीमार महिला पुरुष	घनश्यामपुर	SSVK	
5	बिमारी रोकने के लिए डी. डी. टी. का छिड़काव	बाढ़ प्रभावित बीमार महिला पुरुष	घनश्यामपुर	SSVK	
6	राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना अभियान	पंचायत समिति महिला पुरुष	लखनौर	SSVK	
7	चावल,चुरा,दाल,हल्दी, नमक, मशाला एवं पौष्टिक आहार वितरण	बाढ़ प्रभावित गरीब परिवार गर्भवती महिला कुपोषित बच्चा	लखनौर, घनश्याम पुर झंझारपुर, प्रखंड	SRC लाईफ हेल्प चेन्नई AIDMI	
8	बाढ़ से होने वाले बीमारियों के लिए दवा	बाढ़ प्रभावितों बच्चे महिला/पुरुष	घनश्यामपुर	SRC	
9	गॉव में बाढ़ प्रभावित के बीच स्वास्थ कैम्प लगाना	गॉव के महिला पुरुष वृद्ध एवं बच्चों	लखनौर, घनश्याम पुर झंझारपुर, मधेपुर प्रखंड	लाईफ हेल्प चेन्नई	
10	सूचना के अधिकार प्रशिक्षण	नेतृत्व कर्ता महिला पुरुष	लखनौर	SSVK	
11	पारम्परिक दाय प्रशिक्षण	मुसहर महिला	लखनौर, घनश्याम पुर	SRC SSVK	
12	मुक्त कानूनी सहायता कार्यशाला	महिला पुरुष संगठन कर्ता	घनश्यामपुर झंझारपुर, मधेपुर	SSVK	
13	विभिन्न प्रकार के जमीन की पहचान	नेतृत्व कर्ता महिला	लखनौर	सरकारी अमीन	
14	स्वच्छ प्रसव हेतु कार्यशाला	पारम्परिक प्रशिक्षित दाई	लखनौर	SSVK	

15	बाढ़ प्रभावितों के बीच कम्बल वितरण	बाढ़ प्रभावित परिवार	लखनौर, कीरतपुर	AIDMI	
16	बाढ़ प्रभावितों के बीच पोलोथिन सीटस वितरण	बाढ़ प्रभावित परिवार	लखनौर, कीरतपुर	AIDMI SRC	
17	बाढ़ प्रभावितों के बीच नाव	बाढ़ प्रभावितों बच्चे महिला/पुरुष	घनश्यामपुर	SRC	
18	नये चापाकल की गड़ाई	गॉव के सभी वर्ग के महिला पुरुष	घनश्यामपुर	SRC	
19	पुराने चापाकल की उखाड़ गाड़ एवं मरम्मत	सभी वर्ग के लोग	घनश्यामपुर	SRC	
20	3833 परिवारों के बीच कपड़ा वितरण	महिला, पुरुष बच्चे बच्चियॉं एवं वृद्ध महिला पुरुष	घनश्यामपुर झंझारपुर, मधेपुर, संश्यामपुर लखनौर, कीरतपुर एवं कुशेश्वरपुर स्थान प्रखंड	गूँज नई दिल्ली	
21	आजिविका के लिए कार्यशाला	महिला, पुरुष	लखनौर, मनीगाछी प्रखंड	AIDMI	
22	आपदा प्रबन्धन 500 कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना	महिला, पुरुष	सहरसा, मधुबनी, दरभंगा, पूर्णिया, एवं सुपौल जिला	दलित वाच	

पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन : बाँध/तटबंध / बिहार वास्ते नेपाल में प्रस्तावित हाई डैम एवं बाढ़ से संबंधित मुद्धों पर चेतना जागरण जलवायू परिवर्तन एवं बाढ़ / सुखाड़ से निपटने के प्रयास। जमीन / तालाब जैसे प्राकृतिक संसाधन पर गरीबों का स्वामित्व जिसमें पारम्परिक खेती/तालाबों में मछली पालन कराया जा रहा है। समुदाय द्वारा वृक्षारोपन भी कराया जा रहा है जिससे बाढ़ के पानी में सूख रहे वृक्षों की कमी की भरपाई की जा सके।

लोक शक्ति संगठन का मुख्य मकसद दलितों को सूदखोरों के चंगुल से मुक्त कराना और उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता व स्थायित्व मुहैया कराना है। संगठन दलितों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें अपने अधिकारों की जानकारी देने का काम भी करता है। निम्नलिखित योजनाओं के संदर्भ में इन प्रयासों का काफी लाभ हुआ है।

योजना	**लाभान्वित परिवारों की संख्या**
इन्दिरा आवास	5642
वृद्धावस्था पेंशन	3292
अन्नतोदय	2546
अन्नपूर्णा	1669
सामुदायिक दलान	107
सरकारी ऋण	85
सार्वजनिक शौचालय	56
जॉब कार्ड	27697
खाता खुला	25845
बालिका विवाह योजना	455
सौर उर्जा लाईट	261
सामाजिक सुरक्षा पेशन	474
सार्वजनिक शेड	48
विद्यालय पुननिर्माण	306
बीपीएल रिफॉर्म	13262
चपाकल	1132

- ❖ संगठन के कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवकों ने टारगेट ग्रुप के लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया है। इसके अलावा इन लोगों ने 735 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क बनाई है।
- ❖ चार जिलों-मधुबनी, दरभंगा, सहरसा और सुपौल में ग्राम कोष का काम सघनता के साथ चल रहा है। ग्राम कोष के खाते में दलितों के 13780150 रुपये जमा है। इस तरह दलित स्वतंत्र हो रहे है। यहां तक की इलाज, शादी विवाह के लिए कर्ज जैसे दूसरे व्यक्तिगत कामों के लिए भी ग्राम कोष से उन्हें मदद मिल रही है। ग्राम कोष की मदद से सदस्यों के जीवन में जो बदलाव आए है, वो निम्न है :-

- ❖ ग्राम कोष के राशि से 32 महिलाएँ रोजगार करती है।
- ❖ रोजगार में सब्जी-फेरी मशाला फेरी, मनीहारा, चाय की दुकान एवं जान बनाने की काम करती है।
- ❖ ग्राम कोष से गरीब के जीवन यापन में बदलाव आया है।
- ❖ सड़क बनने में सैकड़ों मजदूर रोजगार कर अपने परिवार का भरण पोषण किया।
- ❖ ग्राम कोष से कई महिला पुरुष महाजन से मुक्त हुए है।

➪स्वयं सहायता समूह

- ❖ ग्रेडिंग के लिए 133 समूह
- ❖ 1 ग्रेडिंग -415

  2 ग्रेडिंग-152

  3 ग्रेडिंग-87
- ❖ सभी स्वयं सहायता ग्रुप के महिलाओं को प्रखंड द्वारा रोजगार की प्रशिक्षण दी गई है।
- ❖ प्रशिक्षित महिलाओं को (प्रति महिला 750रु0) राशि दी गई है।
- ❖ स्वयं सहायता समूह से लोन लेकर महिला रोजगार करती है।
- ❖ रोजगार से महिलाओं के परिवार में बदलाव आया है।
- ❖ बच्चों को साफ सफाई, कपड़े भोजन, स्वास्थ्य एवं पढ़ाई लिखाई करवाती है।

➪सूचना के अधिकार

- ❖ सूचना के अधिकार के जानकारी प्राप्त कर लोग सरकारी योजनाओं से लाभ ले रहे है।
- ❖ सुचना के अधिकार इस्तेमाल कर 1 किलोमीटर सड़क में होने वाली गड़बड़ी उजागर कर सही ढंग से सड़क बनवाया है।
- ❖ आवेदन देकर प्रखंड कार्यालय से योजनाओं का जानकारी देते है।

➪जमीन

- ❖ 367 दलीतों ने 413 बीघा जमीन पर संघर्ष कर दखल किया है।
- ❖ 3640 परिवारों के बीच 37 बीघा जमीन का वासगीत का पर्चा मिला है।
- ❖ इन वासगीत जमीन में इन्दिरा आवास द्वार मकान बना रहे है।
- ❖ खेती लायक जमीन में लोग खेती का काम करते है।
- ❖ खेती करने से लागों को जीवन स्तर सुधरा है।
- ❖ इस वित्तीय वर्ष में 5 तालाबों पर दखल किया है।
- ❖ तालाब दखल कर मछली पालन का काम करते है।

⇨स्वास्थ्य

- ❖ 538 गर्भवती महिलाओं को प्रशिक्षित दाय द्वारा प्रसव हुआ
- ❖ 311 महिलाओं को स्थानीय भोलेन्टीयर द्वारा सरकारी अस्पताल में प्रसव हुआ।
- ❖ अस्पताल में किये गये प्रसव में सभी महिलाओं को 1450 रुपया दवा एवं पौष्टिक आहार के लिए मिला।
- ❖ घनश्यामपुर प्रखंड के 55 गॉव में दो स्वास्थ्य भोलेन्टीयर द्वारा दवा देकर ईलाज किया।
- ❖ हेल्प लाईफ चेन्नई की ओर से SSVK संस्था कार्यक्षेत्र में 5 डाक्टरों द्वारा बीमार लोगों को दवा देकर ईलाज किया गया।

आंगनबाड़ी केन्द्रः– एस.एस.भी.के. के कार्यकताओं के सहयोग से 652 ऑगनबाड़ी केन्द्र सफलता पूर्वक काम कर रहे है। ये ऑगनबाड़ी केन्द्र 5 वर्ष तक के 36752 कुपोषित बच्चों को दाखिला ऑगनबाड़ी केन्द्र के स्कूलों में हुआ है। 126 बच्चों का दाखिला स्कूल में भी हुआ है।

प्राथमिक शिक्षाः– प्राथमिक स्कूलों में मिड डे मिल योजना का कारगर कार्यान्वयन हो रहा है। इन स्कूलों में काम करने वाले अधिकांश लोग दलित परिवार के है। बच्चे समय पर स्कूल जा रहे हैं या नहीं, इसे देखने का काम ग्राम शिक्षा समिति करती है। समिति बच्चों को स्कूल जाने के लिए प्रोत्साहित करती है और नए शिक्षकों को बहाल करती है ताकि बच्चों और शिक्षकों का अनुपात सही–सही बना रहे। इस तरह प्राथमिक शिक्षा केन्द्रों पर सकारात्मक देखने को मिला है। 8458 बच्चों को स्कॉलरशिप मिल रहा है।

दलित वाच व आपदा प्रबंधनः–

दलित वाच का कार्य क्षेत्र मधुबनी एवं दरभंगा जिला है। दलित वाच इन दो जिलों के क्रमशः 6 और 3 प्रखंडों में काम कर रहा है। मधुबनी के झंझारपुर, लखनैर और किरतपुर प्रखंड में दलित वाच सक्रिय है। दलित वाच मुख्य रुप से बिहार के कुल 22 जिलों में दलितों व वंचितों के उत्थान के लिए काम कर रहा है। दलित वाच की स्थापना का मुख्य मकसद दलितों की समस्याओं को दूर करना और उन्हें उनका वाजिब हक दिलाना है। दलित वाच के निम्नलिखित छह सहयोगी संगठन है:–

1. एन.सी.डी.एच.आर.
2. दलित समन्वय
3. बाढ–सुखाड़ अभियान
4. बचपन बचाओ आंदोलन

5. नारी गूंजन
6. लोक शक्ति संगठन इंडिया

लोक शक्ति संगठन के इन फोरमों की मदद से दलित वाच के द्वारा बाढ़पीड़ित दलित परिवारों का सर्वेक्षण किया गया एवं राहत वितरण में गड़बड़िया पाई गई, और इसकी जानकारी रिर्पोट के माध्यम से सरकार को दी गई एवं इसका जन वकालत किया गया। इस बात का खास ख्याल रखा गया कि बाढ़ के दौरान सभी समुदाय के लोगों को राहत सामग्री बराबर-बराबर मिले।

ग्राम कोष के कामों की समीक्षा के लिए 2008 में एक दिन की बैठक उतर बिहार के कार्यकर्ताओं का झंझारपुर में रखा गया। इस बैठक में ग्राम कोष के काम को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही इसके लाभों को प्रसारित-प्रचारित करना तय हुआ, ताकि अधिक से अधिक दलितों व वंचितों को इसका लाभ मिल सके।

			परिवार	
1	एस.आर.सी.	जिला दरभंगा, प्रखंड: घनश्यामपुर पंचायतों की संख्या:12 राजस्व गॉव:15 कुल गॉव:55	4000	1. नाव.1 2. चावल, दाल, नमक,हल्दी दस दिनों तक 3. पोषक आहार एवं दवा 4. पोलोथिन शिट्स-1727 5. नया चापाकल-31 6. चापाकलों की मरम्मति-65 7. कंबल-8000 (प्रति परिवार दो कंबल) रोगियों के बीच दवा वितरण-8540
2	आल इंडिया डिसास्टर मैंनेजमेंट इंस्टीटयूट अहमदाबाद	प्रखंड-लखनौर जिला-मधुबनी प्रखंड-किरतपुर जिला-दरभंगा	1500	1. चावल, दाल, बिस्कुट, मिर्च पाउडर, दस दिनों तक 2. दस दिनों तक पौष्टिक आहार 3. पोलोथिन शिटस-1000 4. कंबल-2500
3	लाइफ हेल्प, चेन्नई	प्रखंड:1. झंझारपुर 2. मधेपुर 3. लखनौर जिला: मधुबनी		1. प्रति परिवार चावल-30 किलो, आटा 15 किलो, 5 किलो दाल 2. स्वास्थ्य शिविर में रोगियों

				के बीच दवा वितरण–14032
4	हेल्पेज इंडिया	जिला – मधुबनी प्रखंड– झंझारपुर		रोगियों के बीच दवा वितरण–2995
		कुल लाभान्वित परिवार	8,942	

सांगठनिक कार्यक्रम

1. रोजगार गारंटी योजना के प्रति जागरुकता बढ़ाना
2. सूचना के अधिकार के प्रति जागरुकता बढाना
3. सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में टारगेट ग्रुट को जानकारी देना
4. स्थानीय समस्याओं को लेकर आवाज उठाना

उपलब्धि:–

1. एस०एस०भी०के० के कार्यक्षेत्र में 1500 बाढ़पीड़ितों को ऑल इंडिया डिसास्टर मैनेजमेंट इंस्टीटयूट की ओर से सहायता मिली।
2. मधुबनी जिले के लखनौर प्रखंड में एक हजार परिवार के बीच लगातार दस दिनों तक 10 किलो चावल, 2 किलो दाल, 10 किलो धान, 2 किलो नमक, हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर का वितरण।
3. लखनौर प्रखंड में 750 पोलिथिन शिटस का वितरण। इसकी मदद से लोगों की जान लगातार बारिश से बची।
4. ऑल इंडिया डिसास्टर मैनेजमेंट इंस्टीटयूट की मदद से लखनौर प्रखंड में एक माह तक 200 गर्भवती महिलाओं और 78 कुपोषित बच्चों के बीच पौष्टिक आहार का वितरण।
5. लखनौर प्रखंड में एक हजार बाढ़ पीड़ितों के बीच दो हजार कंबल का वितरण
6. आल इंडिया मिटिगिशन इंस्टीटयूट के द्वारा दरभंगा जिले के किरतपुर प्रखंड में 500 परिवारों के बीच चावल, दाल, नमक, धान का वितरण
7. 500 परिवारों के बीच कंबल का वितरण
8. 250 परिवारों के बीच पोलोथिन शिटस और एक माह तक 100 गर्भवती महिलाओं व 50 कुपोषित बच्चों के बीच पौष्टिक आहार का वितरण
9. आल इंडिया मिटिगेशन इंस्टीटयूट ने दो दिनों का प्रशिक्षण शिविर लगाया।
10. संगठनों के बीच तालमेल और नेटवर्किंग के लिए वर्कशाप चलाया गया।

11. लाइफ हेल्प, चेन्नई में मार्फत स्विट्जरलैंड के स्वीस लेवर और ए.डब्लू.ओ. इंटरनेशनल इ.वी. जर्मनी की मदद।
12. उपरोक्त एजेंसियों की मदद से झंझारपुर, लखनौर, और मधेपुर प्रखंड के 12658 बाढ़पीड़ितों को चेन्नई से आए एमबीबीएस डाक्टरों की चिकित्सा सहायता मिली।
13. बुखार, डायरिया जैसी बीमारियों के इलाज के लिए दवा उपलब्ध कराया गया।
14. उपरोक्त एजंसियों की मदद से लखनौर प्रखंड के 3117 बाढ़पीड़ितों को 30 किलो चावल, 15 किलो आटा, और पाँच किलो राहड़ दाल उपलब्ध कराया गया।
15. चालू वितीय वर्ष के दौरान दरभंगा जिले में 4 हजार परिवारों को एस.आर.सी. कार्यक्रम का लाभ मिला।
16. मधुबनी जिले के घनश्यामपुर प्रखंड के 12 पंचायतों के 55 गॉवों में बाढ़ राहत पैकेज का वितरण हुआ।
17. चार हजार परिवारों के बीच प्रति परिवार 10 किलो चावल, एक किलो दाल, नमक का चार
18. घनश्यामपुर प्रखंड के कुल 4 हजार परिवारों में से 1727 परिवारों के बीच 1727 पोलोथिन शिटस बॉटा गया।
19. सभी गर्भवती महिलाओं और चार हजार कुपोषित बच्चों के बीच पौष्टिक आहार बॉटा गया।
20. घनश्यामपुर प्रखंड के 55 गांवों में एसएसवीके के कार्यकर्ताओ दवा बॉटने लगातार एक माह तक घर-घर गए।
21. गॉव में मलवा जमा होने या पानी प्रदूषण के कारण महामारी जैसी बीमारी न हो इसके लिए संस्था के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने सरकारी डाक्टरों व नर्सो से संपर्क कर गॉव-गॉव में डीडीटी का छिड़काव कराया।
22. बाढ़ के तुरंत बाद कई गॉव में डायरिया-चेचक जैसी महामारी फैलने के बावजूद उस गॉव में बीमारी से काई व्यक्ति मरे नहीं, इसके लिए संस्था की ओर से स्वच्छ पानी एवं दवा उपलब्ध कराया गया। स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा पुनह एवं दथुआ गॉव में महामारी होने पर अनुमंडल पदाधिकारी से संपर्क कर गॉव में कैंम्प लगवाया गया जिससे बीमारी का रोकथाम हुआ।
23. इन सभी गॉवों में 4 हजार परिवारों के बीच प्रति परिवार दो कंबल के हिसाब से 8 हजार कंबल बॉटे गए।
24. शुद्ध पेयजल के लिए 31 गॉवों में 31 नए चापाकल लगाए गए। इसके साथ ही 65 पुराने सार्वजनिक चापाकलों को ठीक किया गया।

25. इस तरह संगठन की मदद से कुल 96 नए पुराने चापाकल चालू हुए।
26. स्वीस रेडक्रास (स्विटजरलैंड) और आइ.आइ.डी.एस. ने बाढ़ राहत कार्यो का मानिटरिंग किया।
27. आपदा प्रबंधन के आकलन के लिए एस.आर.सी. और उसके सहयोगियों की नेटवर्किंग बैठक हुई। इस बैठक में आपदा प्रबंधन कार्यक्रम, और पारंपरिक दाई के प्रशिक्षण के लिए शिविर लगाने एवं 200 ग्रामीण बैंक खोलने का निर्णय लिया गया।
28. गूंज के सहयोग से मधुबनी जिले के लखनौर व मधेपुर प्रखंड, दरभंगा के ताराडीह, कितरपुर व गोडा बोरम प्रखंड, और सहरसा के महिषि, मरौना प्रखंड में कपड़ा का वितरण हुआ।
29. इन सभी प्रखंडों में गूंज की ओर से 3833 परिवारों के बीच 17732 पीस कपड़ा बॉटा गया।
30. कपड़ा का वितरण नवजात शिशु से लेकर सभी उम्र के लोगों के बीच हुआ।

इन सभी राहत कार्यो की योजना ग्रामीणों की मदद से एसएसवीके के द्वारा तैयार की गई। राहत वितरण की समुचित व्यवस्था के लिए प्रखंड स्तर पर सर्वे किया गया। राहत समिति, क्रय समिति और वितरण समिति का गठन निम्न कामों के लिए किया गया।

1. पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पीड़ित लोगों की संख्या, बाढ़ग्रस्त इलाका, पीड़ित परिवार की संख्या, वितरित भोजन का विवरण जैसी तमाम जानकारियॉं बोर्ड पर लिख दी गई।
2. राहत वितरण टाकर सिस्टम से किया गया। टोकन पर राहत पाने वाले का नाम, दिए गए सामान का विवरण और कब दिया गया, अंकित रहता था।
3. मधुबनी, सहरसा, सुपौल और दरभंगा जिले कोसी प्रलय से सर्वाधिक प्रभावित थे। एसएसवीके स्थिति को काबू में रखने के लिए काम करने वाला अकेला संगठन था। एस.एस.वी.के. के सचिव दीपक भारती ने बिपार्ड की बैठक में स्थिति की भयावहता को उठाया। इसके बाद ही कई डोनर और स्वयंसेवी संगठन मदद के लिए आगे आए।

(दीपक भारती)
सचिव